मैं क्या जानू मेरे रघुराई तू जाने मेरी किस में भलाई

मैं क्या जानू मेरे रघुराई, तू जाने मेरी किस में भलाई
सहारा तेरा रे, ओ साईं

सारे द्वारे छोड़ भगवन आज मैं तेरे द्वारे आया ।
बाह पकड़ लो अब तो ठाकुर, तेरे दर पर सीस झुकाया ।
इस दुनिया की भीड़ भाड़ में, तेरा ही आधार ॥
सहारा तेरा रे, ओ साईं...

तू हो पारस जिस को छूकर लोहा भी सोना हो जाए ।
तेरी शरण में जो भी आवे वो पापी पावन हो जावे ।
बीच भवर में नैया मेरी अब तो लगा दो पार ॥
सहारा तेरा रे, ओ साईं...

सारे जगत को देने वाले मैं क्या तुझ को भेंट चढ़ाऊँ ।
जिसके स्वांस से आए खुशबू मैं क्या उनको फूल चढ़ाऊँ ।
अपरम पार यही महिमा तेरी कोई ना जाने पार ॥
सहारा तेरा रे, ओ साईं...

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/1144/title/main-kya-janu-mere-raghurayi-tu-jane-meri-kis-me-bhalayi-sahara-tera-re-o-sai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |